

यह अपने लेआउट को देखकर जब एक पाठक एक पृष्ठ की पठनीय सामग्री से वचिलति हो जाएगा कएक लंबे समय तक स्थापति तथ्य है. 'LOREM IPSUM' के उपयोग की बात, 'यहां यहाँ सामग्री सामग्री' का उपयोग कर यह पठनीय अंग्रेजी की तरह लग रहे बनाने के लिए वरिध के रूप में यह, पत्र की एक अधिकि या कम सामान्य वतिरण कयिा गया है. कई डेस्कटॉप प्रकाशन संकुल और वेब पेज संपादकों अब उनके डिफ़ॉल्ट मॉडल पाठ के रूप में LOREM IPSUM उपयोग, और 'LOREM IPSUM' के लिए एक खोज अपनी प्रारंभिक अवस्था में अभी भी कई वेब साइटों को उजागर करेंगे. विभिन्न संस्करणों के उद्देश्य पर कभी कभी, कभी कभी दुर्घटना से, पछिले कुछ वर्षों में वकिसति कयिा है

Contrary to popular belief, Lorem Ipsum is not simply random text. It has roots in a piece of classical Latin literature from 45 BC, making it over 2000 years old. Richard McClintock, a Latin professor at Hampden-Sydney College in Virginia, looked up one of the more obscure Latin words, consectetur, from a Lorem Ipsum passage, and going through the cites of the word in classical literature, discovered the undoubtable source. Lorem Ipsum comes from sections 1.10.32 and 1.10.33 of "de Finibus Bonorum et Malorum" (The Extremes of Good and Evil) by Cicero, written in 45 BC. This book is a treatise on the theory of ethics, very popular during the Renaissance. The first line of Lorem Ipsum, "Lorem ipsum dolor sit amet..", comes from a line in section 1.10.32.